

|         |         |         |         |          |          |        |
|---------|---------|---------|---------|----------|----------|--------|
| ١-      | فى      | كواكب   | الفردوس | محب      | الرب     | إيسوس  |
| خادم    | الرب    | القدس   | بى      | منريت    | آفا      | يسطس   |
| ٢-      | سر      | حياته   | عجيب    | و عمل    | تدبيره   | غريب   |
| طوبى    | لك      | يا      | حبيب    | بى       | منريت    | يسطس   |
| ٣-      | بعيوننا | نظرناك  | حبيتنا  | و حبيناك | آفا      | يسطس   |
| واشتقنا | لرؤياك  | كلامك   | بى      | منريت    | آفا      | يسطس   |
| ٤-      | قليل    | هو      | غالية   | هى       | أقوالك   | يسطس   |
| أذكرنا  | فى      | صلاتك   | بى      | منريت    | آفا      | يسطس   |
| ٥-      | حببت    | يسوع    | بخشوع   | وسرت     | وراه     | بخشوع  |
| ده      | سره     | فيك     | موضوع   | بى       | منريت    | يسطس   |
| ٦-      | جلسنا   | حواليك  | يكفيننا | ننظر     | إليك     | يسطس   |
| ولو     | لم      | ينطق    | فاك     | بى       | منريت    | يسطس   |
| ٧-      | علمنا   | بدون    | كلام    | وقضى     | عمره     | بسلام  |
| ترك     | دار     | الآلام  | بى      | منريت    | آفا      | يسطس   |
| ٨-      | قلايته  | تشهد    | له      | محبته    | لفاديه   | يسطس   |
| رذل     | العالم  | وما     | فيه     | بى       | منريت    | يسطس   |
| ٩-      | أخذك    | الرب    | القدس   | مخلص     | كل       | النفوس |
| نقلك    | إلى     | الفردوس | بى      | منريت    | آفا      | يسطس   |
| ١٠-     | من      | جبل     | أبونا   | العظيم   | أنطونيوس | الحكيم |
| مضيت    | إلى     | النعيم  | بى      | منريت    | آفا      | يسطس   |
| ١١-     | صمتك    | حلو     | لطيف    | يا       | أبونا    | يسطس   |
| عبرت    | مثل     | الطيب   | بى      | منريت    | آفا      | يسطس   |
| ١٢-     | من      | يبغض    | ذاته    | ويشتهى   | الهوان   | يسطس   |
| السما   | تصير    | له      | مكان    | بى       | منريت    | يسطس   |
| ١٣-     | أبونا   | يسطس    | طوباك   | بسرعة    | حبيناك   | يسطس   |
| يا      | ريتنا   | نكون    | معاك    | بى       | منريت    | يسطس   |
| ١٤-     | يا      | عظيم    | فى      | حكمتك    | فى       | كلمتك  |
| يا      | عالي    | فى      | حكمتك   | بى       | منريت    | يسطس   |
| ١٥-     | نورك    | اضاء    | الحدود  | فارتعب   | كل       | الجنود |
| قد      | صرت     | بلا     | قيود    | بى       | منريت    | يسطس   |
| ١٦-     | جلسنا   | تحت     | قدميك   | فرح      | قلبنا    | بك     |
| رجانا   | نلتقى   | بك      | بى      | منريت    | آفا      | يسطس   |
| ١٧-     | اسمك    | مفرح    | لنا     | سيرتك    | بتعزينا  | يسطس   |
| صلاتك   | تشفع    | فيما    | بى      | منريت    | آفا      | يسطس   |